Two Days Workshop on e-Uparjan at Ashok Nagar
(29 February & 01 March 2012)

Like various other e-governance projects and in the context of promotion of information technology in different government departments, one more department has been added to the list of user departments being supported by NIC. And this time the department is Food and civil supplies. As per the new e-procurement policy issued by MP state government, department of food and civil supplies, the whole procurement system of the year 2012-2013 has to be computerized. In this task the software is designed and developed by NIC MPSC Bhopal, which would be executed uniformly in all districts through out the state. The MIS has online and offline modules having various facilities.

For smooth and effective implementation of the project in the Ashok Nagar district, NIC Ashok Nagar organized a two days workshop on 29 February and 01 march 2012.In this workshop all 33 cooperative society managers with data entry operators, runners and officers of food and civil supplies, cooperative bank, MARKFED and NAN with their sub ordinates participated.

Mr. A K Bhargav, District Collector chaired the workshop. In his opening remark the district collector welcomed all participants and highlights the sensitivity and importance of the procurement and its computerization. He reviews the current status especially the farmer registration and computer hardware status, received by societies. He also admired the efforts of NIC and hoped like other projects; NIC Ashok Nagar will handle this task also successfully.

In this workshop all the participants were directed to come with their LAPTOPs, in which the e-uparjan software has been already installed by NIC Ashok Nagar team. The workshop schedule was divided into 5 sessions on both days. First hardware introduction and general operations of laptop, second Uparjan policy and its computerization plan, third Uparjan software demonstration, fourth hands on session and fifth doubt clearance and feedback.

Since the societies are enriched first time with computers and other peripherals, so the first aim was to remove the hesitations of first time users and motivate them in use of computer and information technology. In the very first session the hardware equipments were introduced one by one. The functionalities of laptops, printers, battery replacement and charging were demonstrated, at the same time the Dos and Donts were also instructed.

The second session was fully concentrated on e-uparjan policy and computerization plan. In this session the DIO, S K jain explained the technical points and features of the project. He decoded the role of society managers, data entry operators, runners, cooperative bank, MARKFED, NAN, revenue and irrigation departments etc. He illustrated the flow of data, how the data of a society will transfer to state server through runner so that the state officials could monitor the activities of any particular society and verify the grain storage and price & bonus disbursement to the farmers.

After that in the third session, the e-Uparjan MIS was demonstrated on LCD projector. All menu items were explained one by one. By feeding test data, all data entry forms were been shown. Especially how to accept grain, sold by farmer and generate receipt with consideration of norms and regulations decided by MP state government. All reports related to wheat procurement, farmer registration, wheat bag (bardana), transportation, loan details etc. Hard copy of user manual also provided to all society managers.

After that the hands on session started. All Data entry operators and society managers did practical on their systems by entering data and generate reports, also took the print outs on printer. The backup and restore process with the help of pen drive were emphasized especially in this session. Also participants learned how to enter data using Unicode facility. They were taught about the importance of backup and upload backup through runner module.

In the last and final session the participants raised their technical, procedural, and administrative doubts, which were clarified by NIC team and food and civil supplies officials. Details of NIC officials and contact numbers were also given to participants for any query and guidance regarding this project. The workshop ended with concluding remarks and thanked by District food and civil supplies officer.

दैनिक एक्सप्रेस न्यूज़
भोपाल 3 MAR 2012
ई-उपार्जन कार्यशाला सम्पन्न

अशोकनगर (ईएमएस)। जिला कार्यालय सभाकक्ष में ई-उपार्जन से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्ष 2012-13 में राज्य शासन के निर्देशानुसार गेहूँ के उपार्जन की प्रक्रिया का कम्प्यूटरीकरण किया गया है, इस प्रक्रिया के अन्तर्गत सभी उपार्जन केन्द्रों को कम्प्यूटर (लेपटाप) व प्रिंटर इत्यादि उपकरण प्रदान किये गए हैं। उपार्जन से संबंधित साफ्टवेयर एनआईसी द्वारा तैयार किया गया है। उक्त कार्यशाला में समस्त समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर आपरेटर, रनर तथा उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एम पी जैन, डी.एम. नान श्री गोयल तथा कनिष्ट आपूर्ति अधिकारी राजेन्द्र मिश्रा शामिल हुए।

प्रशिक्षण सत्र का प्रारंभ कलेक्टर डॉ. अशोक कुमार भार्गव के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने उपार्जन कार्य की महत्ता एवं कम्प्यूटरीकरण पर प्रकाश डाला गया। कलेक्टर श्रीभार्गव ने बताया कि इस साफ्टवेयर की सहायता से जहां किसानों से क्रय किये जाने वाले गेहूं की समस्त प्रविष्ठियां ऑनलाईन होंगी वहीं गेहूं का मूल्य सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा हो जाएगा। इस साफ्टवेयर में एसएमएस की सुविधा भी प्रदान की गई है। साफ्टवेयर के माध्यम से ही किसानों को अनाज लेकर उपार्जन केंद्र में किस तिथि को उपस्थित होना है, इस आशय का एसएमएस उनके मोबाईल पर भेजा जाएगा, जिससे की किसान उपार्जन केंद्र पर पूर्व तैयारी के साथ उपस्थित हो सके। इससे उपार्जन केंद्र पर पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाये रखने में भी सहायता प्राप्त होगी।

तत्पश्चात एनआईसी के अधिकारियों एस के जैन डीआईओ एवं गिरीश्च अनवेकर द्वारा उपार्जन साफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया। एलसीडी प्राजेक्टर की सहायता से साफ्टवेयर के एक-एक बिन्दु की जानकारी उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को समझाई गई जिसको कि प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने साथ लाये गये लेपटाप पर प्रेक्टिकल करके देखा गया साथ तकनीकी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

दैनिक नव दुनिया भोपाल
3 MAR 2012
ई-उपार्जन से संबंधित कार्यशाला

अशोकनगर। जिला कार्यालय सभाकक्ष में ई-उपार्जन से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्ष 2012-13 में राज्य शासन के निर्देशानुसार गेहूँ के उपार्जन की प्रक्रिया का कम्प्यूटरीकरण किया गया है, इस प्रक्रिया के अन्तर्गत सभी उपार्जन केन्द्रों को कम्प्यूटर (लेपटाप) व प्रिंटर इत्यादि उपकरण प्रदान किये गए हैं। उपार्जन से संबंधित साफ्टवेयर एनआईसी द्वारा तैयार किया गया है। उक्त कार्यशाला में समस्त समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर आपरेटर, रनर तथा उप पंजीयक सहकारी संस्थाएँ, प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एम पी जैन, डी.एम. नान श्री गोयल तथा कनिष्ट आपूर्ति अधिकारी श्री राजेन्द्र मिश्रा शामिल हुए। प्रशिक्षण सत्र का प्रारंभ कलेक्टर डॉ. अशोक कुमार भार्गव के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने उपार्जन कार्य की महत्ता एवं कम्प्यूटरीकरण पर प्रकाश डाला गया। कलेक्टर डॉ. अशोक कुमार भार्गव ने बताया कि इस साफ्टवेयर की सहायता से जहां किसानों से क्रय व किये जाने वाले गेहूं की समस्त

प्रविष्ठियां ऑनलाईन होंगी वहीं गेहूं का मूल्य सीधे किसानों के बैंक खाते में जमा हो जाएगा। इस साफ्टवेयर में एस.एम.एस. की सुविधा भी प्रदान की गई है। साफ्टवेयर के माध्यम से ही किसानों को अनाज लेकर उपार्जन केंद्र में किस तिथि को उपस्थित होना है, इस आशय का एस.एम.एस. उनके मोबाईल पर भेजा जाएगा, जिससे की किसान उपार्जन केंद्र पर पूर्व तैयारी के साथ उपस्थित हो सके। इससे उपार्जन केंद्र पर पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण व्यवस्था बनाये रखने में भी सहायता प्राप्त होगी। तत्पश्चात एनआईसी के अधिकारियों श्री एस के जैन डीआईओ एवं श्री गिरीश अनवेकर द्वारा उपार्जन साफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया। एलसीडी प्राजेक्टर की सहायता से साफ्टवेयर के एक-एक बिन्दु की जानकारी उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को समझाई गई। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने साथ लाये गये लेपटाप पर प्रेक्टिकल करके देखा गया साथ ही तकनीकी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।